आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

LiFE Lifestyle for Environment

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

एन.सी.बी. दर्पण

(वार्षिक पत्रिका 2023)

अंक - 4

NATIONAL COUNCIL FOR CEMENT AND BUILDING MATERIALS

NCB

न हि ज्ञानेन सदृशं

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्, बल्लभगढ़

एनसीबी हिन्दी कार्यान्वयन समिति

महानिदेशक : डॉ लोक प्रताप सिंह

सदस्य सचिव : श्रीमती पूनम कनौजिया

सदस्या : श्रीमती रश्मि गुप्ता

संपादक मंडल

श्रीमती पूनम कनौजिया

श्रीमती रश्मि गुप्ता

"हिन्दी ने विश्वभर में भारत को
एक विशिष्ट स्थान दिलाया है।"
माननीय प्रधान मंत्री **श्री नरेंद्र मोदी**

बनावट एंव साज–सज्जा :
श्रीमती पूनम कनौजिया
श्री इम्तियाज़ खान
श्री लखन

महानिदेशक
राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्

संदेश

हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक विरासत है। हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक और परिचायक है।

हिंदी महज एक भाषा नहीं है बल्कि देश में अनेकता में एकता का स्वरूप इसी से तय होता है हिंदी भाषा सभी भाषाओं को साथ लेकर चलती है, उदारतापूर्वक अपने शब्द दूसरी भाषाओं को देती है और उनके शब्द सरल, सहज भाव से स्वीकारती है।

भारत का भविष्य और साहित्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। हम भारत के भविष्य पर गौरवान्वित हो सकते हैं कि अभी हमने जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की है इस बहाने से भारत ने दुनिया के मानचित्र पर एक बड़ी दस्तक दी है ।

आज संपूर्ण विश्व में 250 करोड़ से भी अधिक भारतवासी रहते हैं उन सब की संपर्क भाषा हिंदी ही है। हिंदी भाषा के सामर्थ्य और शक्ति की बात की जाए तो इसे सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा माना जाता है। विश्व के सबसे अग्रणी ज्ञानकोष – एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका द्वारा हिंदी वर्णमाला को वैज्ञानिक कहा गया है। विशेष बात यह है कि ऐसी टिप्पणी किसी और भाषा के लिए नहीं की गई है। हिंदी भाषा की यह विशेषता है कि इसके उच्चारण और वर्तनी में कोई अंतर नहीं है।

हिंदी भाषा को पहले से ही वैश्विक स्तर पर काफी पहचान मिली हुई है। वर्तमान में यह कई देशों में पढ़ाई जा रही है. इनमें मॉरिशस, फिजी, जापान, इटली, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, फिनलैंड समेत कई ऐसे देश शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में ब्रिटेन ने भी इसी शैक्षणिक सत्र से 1500 स्कूलों में हिन्दी भाषा की पढ़ाई शुरू करने का फ़ैसला किया है। इसके लिए वहाँ की सरकार ने 2.0 करोड़ रुपए का बजट भी आवंटित किया है।

आज प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, राष्ट्रीय भाषा और अंतरराष्ट्रीय मंच तथा संस्थानों में हिंदी के प्रयोग में बढ़ोतरी हुई है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्म पर अब हिंदी भाषा का ही बोलबाला है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी हिंदी में बड़े पैमाने पर कार्य करना शुरू कर दिया है। हमें हिंदी बोलने में शर्म नहीं बल्कि गर्व महसूस करना चाहिए।

एनसीबी में भी हिंदी का प्रयोग हर स्तर पर अधिक से अधिक किया जा रहा है मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि एनसीबी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति हिंदी पत्रिका **"एनसीबी दर्पण"** के **चतुर्थ अंक** का प्रकाशन कर रही है। पत्रिका के संपादक मंडल, रचनाकारों तथा प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रयासों की सरहाना करते हुए अपनी अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

शुभकामनाओं सहित

डॉ लोक प्रताप सिंह

प्राध्यापक
राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय,भारत सरकार

शुभकामना संदेश

मनुष्य से मनुष्य को जोड़ने की कड़ी है भाषा, जो मनुष्य को पूरे समाज के साथ जोड़ कर रखती है। इसके साथ ही किसी देश की उन्नति और विकास का मार्ग भी उस देश की भाषा ही प्रशस्त करती है। हम सभी जानते है कि भारत में भारतीयों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य हमारी राजभाषा हिंदी ही करती है।

स्वाधीनता संग्राम में भी समूचे देश को एकजुट करने वाली सबसे सशक्त संपर्क भाषा हिंदी ही थी और इसी कारण गांधी जी और सुभाषचंद्र बोस ने भी हिंदी के महत्व को समझा और उसका समर्थन किया। इसी संदर्भ में आचार्य विनोवा भावे ने भी हिंदी को आम जनमानस की भाषा कहा था लेकिन आज आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के बाद भी राजभाषा हिंदी अपने असली अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। जहां एक ओर सरकार ने हिंदी के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं विकास के लिए राजभाषा नियम और अधिनियम बनाए है तथा सभी केंद्र सरकार के कार्मिकों के लिए राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने का संवैधानिक दायित्व निर्धारित किया है। इसके लिए सभी मंत्रालयों, सभी केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, निकायों, उपक्रमों, बैंकों आदि में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रहीं है।

इसी संबंध में वाणिज्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सीमेंट एंव भवन सामग्री परिषद् के मुख्यालय, मथुरा रोड, बल्लभगढ़ द्वारा अपने इस संवैधानिक दायित्व का बखूबी निर्वहन किया जा रहा है। राजभाषा विभाग के अधीन केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्था के हिंदी शिक्षण (म.) के द्वारा हिंदी भाषा प्रशिक्षण के कार्यक्रम पारंगत के दो सत्रों का संचालन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया तथा वर्तमान में प्रबोध प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। एक तकनीकी संस्थान होने के बावजूद संस्थान के सभी कार्मिकों ने ना सिर्फ प्रशिक्षण प्राप्त किया है बल्कि अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करते हुए राजभाषा के प्रति अपना प्रेम प्रकट कर अपना अधिकतम कार्यालयीन कार्य हिंदी में करना आरंभ कर दिया है। यह हम सभी के लिए एक प्रेरणा है।

शुभकामना संदेश के माध्यम से मैं "राष्ट्रीय सीमेंट एंव भवन सामग्री परिषद्" के सभी अधिकारियों / कर्मचारियों का हिंदी के विकास में उनके योगदान के लिए हृदय से धन्यवाद करती हूँ।

साभार

पूनम

पूनम

संपादकीय....

कार्यालय की हिन्दी वार्षिक पत्रिका **"एन सी बी दर्पण"** के **"चतुर्थ अंक"** के संपादक के दायित्व को पूरा करने का प्रयास मेरे लिए सौभाग्य कि बात है। पूर्व के अंकों की भांति पत्रिका के इस अंक को भी विभिन्न लेखों, कहानियों, कविताओं तथा विभागीय गतिविधिओं के छाया –चित्रों से सुसज्जित करने का प्रयास किया गया है।

भाषा किसी भी राष्ट्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की संवाहिका होती है। कोई भी देश अपनी भाषा के बिना अपने राष्ट्रीय व्यक्तित्व को मौलिक रूप से परिभाषित नहीं कर सकता है। हिन्दी हमारे देश की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिन्दी एक उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हमें अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए जिससे राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।

जिस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान–3 की सुरक्षित लैंडिंग और हाल ही में जी20 की अध्यक्षता से दुनिया को सभी के लिए बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ "वसुधैव कुटुम्बकम"– एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य के परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा दिया है उसी प्रकार हमें भी हिन्दी के महत्व को पुनः प्रतिष्ठित करते हुए हिन्दी को एक विश्व भाषा के रूप में स्थापित करना है।

पत्रिका के इस अंक के प्रकाशन में योगदान देने हेतु मैं, सभी रचनाकारों, कवियों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट करती हूँ और आशा करती हूँ कि, भविष्य में भी आप सभी अपनी रचनाओं से इसे समृद्ध करते रहेंगे।

पूनम कनौजिया
सदस्य सचिव – राजभाषा कार्यान्वयन समिति

Diamond Jubilee Celebration
60th NCB DAY
Saturday, 24th December 2022
राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्
NATIONAL COUNCIL FOR CEMENT AND BUILDING MATERIALS

अनुक्रमणिका

क्र.स.		लेखक	पेज सं.
	प्रस्तावना		
1	एनसीबी का परिचय		1
2	हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन		3
3	17वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC)		6
4	हिन्दी कार्यशाला का आयोजन		7
5	एन सी बी दर्पण–तृतीय अंक का विमोचन		8
6	नराकास–प्रोत्साहन पुरस्कार		9
7	नराकास–हिन्दी निबंध प्रतियोगिता		9
8	हिन्दी शिक्षण योजना		10
9	शिक्षक दिवस		10
10	हिन्दी पारंगत परीक्षा		11
11	हिन्दी विभाग का उद्घाटन		12
12	हिन्दी सलाहकार समिति		13
13	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023		14
14	वार्षिक गतिविधियाँ–2023		15
	कविताऐं		
15	मुन्ने के नंबर कम आए	चारु	16
16	हिन्दी मेरे और मैं हिन्दी के साथ	लखन स्नातक	17
17	बचपन की यादों का पिटारा	कपिल कुकरेजा	18
18	जीवन के रस	धीरेन्द्र प्रताप सिंह	19
19	बिटिया	पूनम	19
20	मन की बात	अंकुर मित्तल	20
21	प्यारी सांझ	ज्योत्स्ना पांचाल	20
	रचनाएं		
22	तारीफ	नीराम	21
23	पदोन्नति/प्रमोशन	डॉ. सतीश चंद्र शर्मा	23
24	कंठस्थ	लखन स्नातक	25
25	चंद्रयान–3:–भारत के विकास की उड़ान	लखन स्नातक	29
26	G20 और भारत	सुनीता	31

LIBRARY

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् (एनसीबी)

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् (एनसीबी), तत्कालीन भारतीय सीमेंट अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) की स्थापना 24 दिसंबर 1962 को सीमेंट और निर्माण सामग्री व्यापार और उद्योग से जुड़े अनुसंधान और वैज्ञानिक कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

आज, एनसीबी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत प्रमुख निकाय है, जो सीमेंट और निर्माण उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण, सतत् शिक्षा और औद्योगिक सेवायें प्रदान करने का कार्य करती है।

एनसीबी का मुख्य केंद्र और प्रयोगशालाएँ बल्लभगढ़ (नई दिल्ली के पास) में स्थित हैं; हैदराबाद (तेलंगाना) में एक सुस्थापित क्षेत्रीय केंद्र और अहमदाबाद (गुजरात) एवं भुवनेश्वर (ओडिशा) में अन्य इकाइयाँ स्थापित हैं।

एनसीबी का कार्य सीमेंट उत्पादन और उसके उपयोग के संपूर्ण क्षेत्रों तक फैला हुआ हैं। कच्चे माल का भूवैज्ञानिक अन्वेषण से शुरु करके प्रक्रियाओं, मशीनरी, विनिर्माण पहलुओं, ऊर्जा और पर्यावरण संबंधी विषय, निर्माण में सामग्रियों के उपयोग एवं इमारतों और संरचनाओं की स्थिति की निगरानी और पुनर्वास करना, एनसीबी के मुख्य कार्यो में शामिल हैं।

एनसीबी, भारत सरकार को सीमेंट उद्योग की वृद्धि और विकास से संबंधित गतिविधियाँ के लिए नीति और योजना तैयार करने हेतु आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए केंद्रक संस्था (नोडल एजेंसी) के रूप में कार्य करती है। एनसीबी, देश में सीमेंट और कंक्रीट उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए समर्पित है। एनसीबी के हितधारक में सरकार, उद्योग और समाज शामिल हैं, जो एनसीबी की भूमिका को राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करने, पर्याप्त प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के रूप में क्रमश: देखते हैं।

हमारी भूमिका को एनसीबी के दृष्टिकोण और उद्देश्यों में सर्वोत्तम रूप से संक्षेपित किया जा सकता है।

एनसीबी का दृष्टिकोण

सीमेंट और निर्माण क्षेत्र के लिए बेहतर आधारभूत संरचना और आवास के सतत् विकास में मुख्य प्रौद्योगिकी सहभागी बनना मुख्य लक्ष्य है।

एनसीबी का उद्देश्य

नवीन प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और विकास करके, सीमेंट और निर्माण उद्योग की भागीदारी के साथ उनका हस्तांतरण एवं कार्यान्वयन करना। जिसमें निहित है -

- गुणवत्ता, उत्पादकता और लागत-प्रभावशीलता में वृद्धि करना
- सामग्री, ऊर्जा और पर्यावरण संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना
- मानव संसाधनों में क्षमता और उत्पादकता विकसित करना

एनसीबी की सभी गतिविधियाँ छह केन्द्रों द्वारा संचालित की जाती हैं:–

सीमेंट अनुसंधान और स्वतंत्र परीक्षण केंद्र (सीआरटी) – सीमेंट और अन्य बाइंडरों, अपशिष्ट उपयोग, सिरामिक, मौलिक और बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधि के लिए केंद्र जिम्मेदार है। केंद्र सीमेंट और सीमेंट सामग्री और अन्य निर्माण सामग्री की परीक्षण गतिविधियों को भी देखता है।

खनन, पर्यावरण, संयंत्र इंजीनियरिंग और संचालन केंद्र (सीएमई) – भूविज्ञान, खनन और कच्चे माल, पर्यावरण प्रबंधन, प्रक्रिया उपयोग और उत्पादकता, ऊर्जा प्रबंधन, संयंत्र रखरखाव और परियोजना इंजीनियरिंग और सिस्टम डिजाइनिंग के क्षेत्र में केंद्र अपनी गतिविधि करता है।

निर्माण विकास एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीआर) – संरचनात्मक मूल्यांकन और पुनर्वास, कंक्रीट प्रौद्योगिकी, निर्माण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन और संरचनात्मक अनुकूलन और डिजाइन के क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियों के लिए केंद्र जिम्मेदार है।

गुणवत्ता प्रबंधन, मानक एवं अशांकन सेवा केंद्र (सीक्यूसी) – प्रवीणता परीक्षण, मानकों संदर्भ सामग्री, अशांकन सेवाओं और कुल गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में केंद्र उद्योग को सेवाएं प्रदान करता है।

औद्योगिक सूचना सेवा केंद्र (सीआईएस) – सीआईएस आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। एनसीबी के प्रकाशनों, सेमिनारों और सम्मेलनों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संपर्क और छवि निर्माण के लिए भी कार्यरत है।

सतत् शिक्षा सेवा केंद्र (सीसीई) – सीमेंट, कंक्रीट और निर्माण के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की आवश्यकता आधार, उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र आयोजित करता है।

उपरोक्त छह सामाजिक केंद्रों की तकनीकी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए एनसीबी के पास निम्नलिखित चार सेवा समूह हैं

वित्त एवं लेखा विभाग (एफएएस) – दिन–प्रतिदिन की वित्तीय गतिविधियों के प्रबंधन के लिए एफएएस विभाग कार्यरत है।

मानव संसाधन और प्रशासनिक सेवा केंद्र (एचआरएस) – एचआरएस–सामान्य परिवहन के बुनियादी ढांचे और एचआरएस–कार्मिक मानव संसाधन गतिविधि जैसे कि भर्ती, पदोन्नति, मूल्यांकन आदि प्रदान सेवाएँ करता है।

संपदा प्रबंधन और तकनीकी सेवा केंद्र (ईटीएस)– ईटीएस द्वारा कार्यक्षेत्र, उपयोगिताओं, उपकरण और संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना जैसे संसाधनों सहित बुनियादी ढांचे को बनाए रखा जाता है।

सामग्री प्रबंधन सेवा केंद्र (एमएमएस) – एमएमएस संगठन के विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के अनुसार कच्चे माल सहित उपकरणों की खरीद के लिए कार्यरत है।

हिन्दी पखवाड़ा 2022

कार्यालय में दिनांक 16 सितम्बर 2022 से 28 सितम्बर 2022 के बीच हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े 2022 के दौरान कार्यालय में हिन्दी आदर्श वाक्य (स्लोगन), हिन्दी निबंध, टिप्पणी लेखन, कविता पाठ / स्वविचार प्रतियोगितायें आयोजित की गई। जिसमें कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गत वर्ष कार्यालय के वार्षिक दिवस 24 दिसम्बर 2022 के अवसर पर पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेताओं को माननीय अपर सचिव **श्री अनिल अग्रवाल जी** (आन्तरिक व्यापार और उद्योग संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गए तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया।

हिन्दी पखवाड़ा 2023

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्, बल्लभगढ़, में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 18 सितंबर से 04 अक्तूबर 2023 के बीच बड़े उत्साह के साथ किया गया। संस्थान के माननीय संयुक्त निदेशक श्री पी एन ओझा जी द्वारा पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। उन्होने सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को कार्यालय में राजभाषा के प्रचार – प्रसार को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उन्होने कहा कि राजभाषा में कार्य करते समय हमें गौरान्वित महसूस करना चाहिये। हिन्दी पखवाड़ा 2023 के दौरान संस्थान में हिन्दी आदर्श वाक्य (स्लोगन), हिन्दी निबंध, टिप्पणी लेखन एवं कविता और स्वविचार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान कार्यालय में दिनांक 26 सितम्बर 2023 को "राजभाषा एवं प्रद्यौगिकी" विषय पर वार्ता का आयोजन

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् बल्लभगढ़ में दिनांक 26 सितम्बर 2023 को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "राजभाषा एवं प्रद्यौगिकी" विषय पर वार्ता का आयोजन कार्यालय में किया गया।

यह कार्यशाला माननीय डॉ संजीव कुमार चतुर्वेदी, इकाई प्रभारी, एवं संयुक्त निदेशक, एन.सी.बी. बल्लभगढ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यशाला के लिए श्री हरिओम शुक्ला, उप–प्रबंधक (राजभाषा) एवं श्रीमती संजना सिंह, ग्रुप वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), फ़रीदाबाद से आमंत्रित वक्ताओं, का स्वागत माननीय इकाई प्रभारी एवं संयुक्त निदेशक एन.सी.बी. द्वारा किया गया।

दिनांक 04 अक्टूबर 2023 को "हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह" पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह के आयोजन पर एक अन्य कविता पाठ / स्वविचार प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें कार्यालय के कर्मचारियों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पखवाड़े के समापन समारोह में सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नामों की घोषणा की गई जिन्हें कार्यालय के वार्षिक दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

हिन्दी पखवाड़े 2023 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता

हिन्दी आदर्श वाक्य (स्लोगन) प्रतियोगिता

सुश्री हिमांशी गम्टा – प्रथम

श्री चंद्रपाल – द्वितीय

श्रीमती नीरज कौशिक – तृतीय

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

श्री अरविंद कुमार तिवारी – प्रथम

सुश्री हिमांशी गम्टा – द्वितीय

सुश्री चारु – तृतीय

हिन्दी टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता

श्री महेश मिश्रा – प्रथम

श्रीमती पूनम रानी – द्वितीय

श्री रत्नेश शर्मा – तृतीय

कविता पाठ प्रतियोगिता

श्री कपिल कुकरेजा – प्रथम

सुश्री चारु – द्वितीय

श्रीमती नीरज कौशिक – तृतीय

स्वविचार प्रतियोगिता

श्रीमती पूनम रानी – सांत्वना पुरस्कार

उत्कृष्ट कार्य करने के पुरस्कार

औद्योगिक सूचना सेवा केंद्र

"हिंदी को हम राष्ट्रभाषा मानते हैं।"

– महात्मा गांधी

सीमेंट के रसायन विज्ञान पर 17वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) 2027, नई दिल्ली, भारत

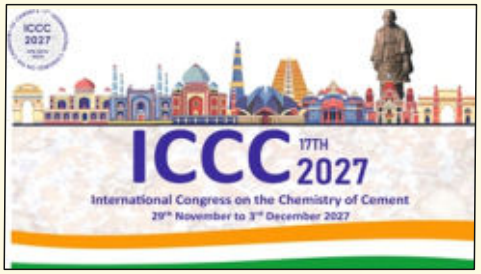

राष्ट्रीय सीमेंट और भवन निर्माण सामग्री पारिषद (एनसीबी) ने, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(IIT) दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(IIT) मद्रास के साथ मिलकर भारत में 'सीमेंट के रसायन विज्ञान पर प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) के 17वें संस्करण की मेजबानी के लिए 1992 के बाद, दूसरी बार वर्ष 2027 के लिए दावेदारी (Bid) सफलतापूर्वक जीत ली है। भारत के प्रमुख अनुसंधान व शैक्षणिक संस्थान, एनसीबी व आईआईटी दिल्ली ने साथ मिलकर बैंकॉक, थाईलैंड में चल रहे 16वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) के दौरान सम्मेलन की संचालन समिति के सदस्यों के समक्ष भारत की मेजबानी की दावेदारी को सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। भारत के अलावा मेजबानी के लिए, अन्य दावेदार (Biders) स्विट्जरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात थे। इस निर्णय की घोषणा 20 सितंबर 2023 को 16वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ICCC के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में की गई थी। भारत की ओर से मेजबानी का प्रस्ताव डॉ. एल.पी. सिंह, महानिदेशक, एनसीबी, डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, संयुक्त निदेशक, एनसीबी और डॉ. शशांक बिश्नोई, प्रोफेसर (सिविल इंजीनियरिंग), आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

सीमेंट के रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, अपनी तरह का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित आयोजन है जो सीमेंट और कंक्रीट के क्षेत्र में अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा करता है। सन् 1918 से अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) आम तौर पर चार से छह साल के अंतराल पर आयोजित की जा रही है, जो अकादमिक जगत एवं सीमेंट उद्योग के बीच एक मजबूत और उपयोगी संबंध बनाने का अवसर प्रदान करती है। एनसीबी द्वारा 9वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) का आयोजन सन् 1992 में नई दिल्ली में किया गया था और 16वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) हाल ही में सितंबर 2023 में बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित की गई।

भारत में इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी हमें दुनिया भर के सीमेंट क्षेत्र के अग्रणी नेताओं, विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। यह आयोजन न केवल हमारे अनुसंधान और शैक्षणिक संगठन की क्षमताओं का एक प्रमाण है, बल्कि हमारे जीवंत शहर नई दिल्ली को वैश्विक सीमेंट और कंक्रीट उद्योग के सामने प्रदर्शित करने का एक अवसर भी है। एक मेजबान शहर के रूप में नई दिल्ली, भारत मंडपम और यशोभूमि जैसी विश्व स्तरीय सम्मेलन सुविधाओं, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और असाधारण अतिथ्य के साथ 2027 में 17वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) के सभी उपस्थित लोगों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार होगी।

कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् बल्लभगढ़ में दिनांक 06 जुलाई 2023 को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी नियमों, अधिनियमों एवं राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता माननीय डॉ संजीव कुमार चतुर्वेदी, महानिदेशक (का.), एन.सी.बी. द्वारा की गई। कार्यशाला के लिए आमंत्रित वक्ताओं, डॉ निर्मल कुमार मंडल, प्रबंधक (राजभाषा) एवं श्री शैलेश कुमार सिंह, उपप्रबंधक (राजभाषा) नराकास, फ़रीदाबाद का स्वागत माननीय महानिदेशक (का.) द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में नराकास, फ़रीदाबाद से आमंत्रित डॉ निर्मल कुमार मंडल, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग की अनिवार्यता पर बल देते हुए बताया की 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया था। संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा तथ्यों और सर्वेक्षण के आधार पर दिया गया था। इस कार्यशाला में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेजों, राजभाषा नियम 1976 के नियम (1 से 12) की जानकारी देने के साथ–साथ राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सुझाव दिये तथा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को कहा कि राजभाषा हिन्दी में कार्य करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। हमें अधिक से अधिक टिप्पण एवं प्रारूप लेखन हिन्दी में करना चाहिए तथा ई–मेल का अग्रेषण– पत्र भी हिन्दी में ही लिखना आरंभ करें, जिससे हिन्दी के कार्यान्वयन में वृद्धि होगी।

इसके पश्चात श्री शैलेश कुमार सिंह, उपप्रबंधक (राजभाषा), ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी का प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी सफल होगा जब आप सभी प्रतिभागीगण अपने दैनिक कार्यालयीन गतिविधियों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाएगें। यह कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उद्देश्यपूर्ण रही। इस कार्यशाला में कार्मिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

एन सी बी वार्षिक हिन्दी पत्रिका

कार्यालय द्वारा वार्षिक हिन्दी पत्रिका "एन सी बी दर्पण" का प्रकाशन किया जा रहा है। एन सी बी दर्पण के प्रथम अंक का विमोचन माननीय श्री सोम प्रकाश, राज्यमंत्री, वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा 15 जनवरी 2020 को किया गया। एन सी बी दर्पण के द्वितीय अंक (19 फरवरी 2021) और तृतीय अंक (24 दिसम्बर 2022) का विमोचन श्री अनिल अग्रवाल, अपर सचिव, उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा किया गया।

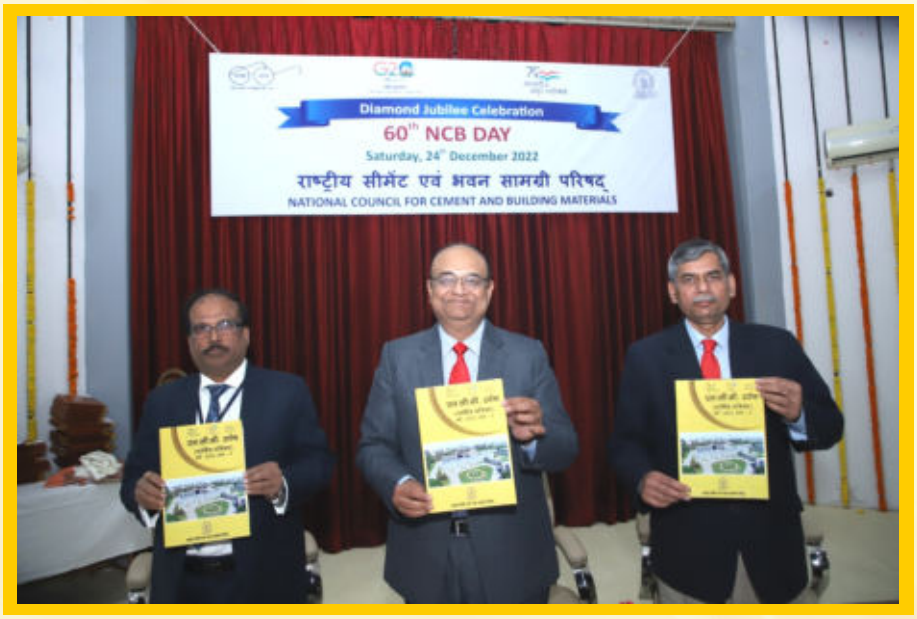

"इस समय देश की एकता के लिये हिंदी अनिवार्य है।"

– राजा राममोहन राय

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)

नराकास द्वारा एनसीबी राजभाषा कार्यान्वयन समिति को सराहनीय कार्य के लिए लगातार तीन वर्षों 2019–20, 2020–21 एवं 2021–22 में कार्यालय को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

कार्यालय में नराकास द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), फरीदाबाद के तत्वाधान में दिनांक 16 – 20 अक्टूबर 2023 के माह में की जाने वाली हिन्दी प्रतियोगिताओं के अंतर्गत हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन एनसीबी, बल्लभगढ़ परिसर में दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को किया गया जिसमें कार्यालय के साथ– साथ अन्य संबंधित कार्यालयों के 40 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिन्दी शिक्षण योजना

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत एनसीबी बल्लभगढ़ परिसर में प्रथम सत्र जुलाई से नवम्बर 2022 में पारंगत शिक्षण की कक्षा आयोजित की गई। जिसमें कार्यालय के 19 प्रशिक्षाथियों ने पारंगत परीक्षा में विशेष रुचि लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यालय में द्वितीय सत्र जनवरी से मई 2023 में पारंगत शिक्षण की कक्षा आयोजित की गई। जिसमें कार्यालय के 17 प्रशिक्षाथियों ने हिन्दी की पारंगत परीक्षा अच्छे अंको से उतीर्ण की।

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत तृतीय सत्र जुलाई से नवम्बर 2023 में प्रबोध शिक्षण कक्षाओं का संचालन सुचारु रूप से किया गया। प्रबोध शिक्षण की कक्षाओं का शुभारंभ माननीय डॉ लोक प्रताप सिंह, महानिदेशक, एनसीबी द्वारा किया गया। जिसमें कार्यालय के 13 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया।

हिंदी शिक्षण योजना का मुख्य उद्देश्य कार्मिकों को हिन्दी में दक्ष बनाकर अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के लिये प्रेरित करना है।

शिक्षक दिवस

दिनांक 05 सितम्बर 2023, शिक्षक दिवस, के अवसर पर कार्यालय के श्री पी एन ओझा, संयुक्त निदेशक द्वारा प्रथम सत्र जुलाई – नवम्बर 2022 के हिन्दी पारंगत प्रशिक्षण में उतीर्ण कार्मिकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिन्दी शिक्षण योजना

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत सत्र जनवरी से मई 2023 में पारंगत की परिक्षा (101 परीक्षार्थी) का दिनांक 17.05.2023 को एवं दिनांक 18.05.2023 को प्रबोध की परीक्षा (17 परीक्षार्थी) का आयोजन एनसीबी कार्यालय में किया गया।

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत सत्र जुलाई से नवम्बर 2023 में पारंगत की परीक्षा दिनांक 25.11.2023 को तथा प्रबोध परीक्षा दिनांक 26.11.2023 को एनसीबी कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें पारंगत परीक्षा के लिए 93 परीक्षार्थीयों एवं प्रबोध परीक्षा के लिए 17 परीक्षार्थीयों ने भाग लिया। प्रबोध परीक्षा में एनसीबी कार्यालय से 13 परीक्षार्थी शामिल हुए ।

हिन्दी विभाग का उदघाटन

डॉ बीबेकानंद महापात्र, महानिदेशक, के कर कमलों द्वारा राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्,बल्लभगढ़ परिसर में दिनांक 26 जनवरी 2023 को हिन्दी विभाग का उदघाटन किया गया।

"हिंदी को ऊँची-से-ऊँची शिक्षा का माध्यम होना चाहिये।"

– डॉ. भीमराव अम्बेडकर

हिन्दी सलाहकार समिति

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 27 अक्टूबर 2023 को श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कार्यालय में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" 07 मार्च 2023 को मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रुचिका द्राल, उप सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा सम्मानित अतिथि के रूप पर श्रीमती सतबीर छाबड़ा, उप निदेशक, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान व डॉ० बी एन महापात्र,महानिदेशक एनसीबी उपस्थित रहे। इस दौरान एनसीबी में दिनांक 01 माच से 03 मार्च 2023 तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ व कार्यक्रम आयोजित किए गए।

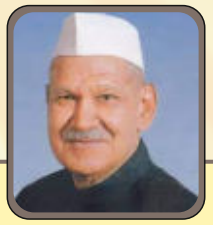

"हिंदी को जानना हमारा राष्ट्रधर्म है।"

– डॉ. शंकरदयाल शर्मा

74वां गणतंत्र दिवस 2023

एनसीबी ने 74वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर डॉ. बी एन महापात्र, महानिदेशक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2023

एनसीबी ने बल्लभगढ़ परिसर में पौधारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2023 मनाया गया। "प्लास्टिक प्रदूषण को हराओं" अभियान का नारा था। "प्रकृति के साथ सद्भाव में स्थायी रूप से रहने" पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा 2023

एनसीबी ने 1से 15 नवंबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। एनसीबी के सभी अधिकारियों द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के तहत, विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

हिंदी संगोष्ठी

मुन्ने के नम्बर कम आये

मुन्ने के नंबर कम आए
पति श्रीमति पर झल्लाए
दिन भर मोबाइल लेकर तुम
टे टे टे बतियाती हो
खाक नहीं आता तुमको
क्या मुन्ने को सिखलाती हो?

यह सुनकर पत्नी जी ने
सारा घर सिर पर उठा लिया
पति देव को लगा की, ज्यों
सोती सिंहनी को जगा दिया।

अपने कामों का लेखा–जोखा
तुमको, मैं अब बतलाती हूँ
आओ तुमको अच्छे से मैं
क, ख, ग़, घ सिखलाती हूँ।

सबसे पहले "क" से अपने
कान खोल कर सुन लो जी
"ख" से खाना बनता घर में
मेरे इन दो हाथों से ही।

"ग" से गाय सरीखी मैं हूँ
तुम्हें नहीं कुछ कहती हूँ
"घ" से घर के कामों मे, मैं
दिन भर पिसती रहती हूँ।
पतिदेव गरजकर यू बोले
"च" से तुम चुपचाप रहो
"छ" से ज्यादा छमको मत
मैं कहता हूँ खामोश रहो।

"ज" से जब भी चाय बनाने
को कहता हूँ लड़ती हो
गाय के जैसे सींग दिखाकर
"झ" से रोज झगड़ती हो।

पत्नी चुप रहती कैसे
बोली "ट" से ट्राओ मत
"ठ" से ठीक तुम्हें कर दूँगी
"ड" से मुझे डराओ मत।

बोले पतिदेव सदा ऑफिस में
"ढ" से ढेरों काम करू
जब भी मैं घर आऊ
"त" से तुम कर देती जंग शुरू।

"थ" से थक कर चूर हुआ हूँ
आज तो सच कह डालू मैं
"द" से दिल ये कहता हैं
"ध" से तुमको धकियाऊ मैं।

बोली "न" से मेरा नाम न लेना
मैं अपने घर जाती हूँ
"प" से पकड़ो घर की चाबी
मैं रिश्ता ठुकराती हूँ

"फ" से फूल रहे है छोले
"ब" से उन्हे बना लेना"
"भ" से भिंडी सूख रही है
वो भी तल के खा लेना।

"म" से मैं तो चली मायके
पत्नी ने बांधा सामान
यह सुनते ही पति महाशय
के तो जैसे सूखे प्राण।
बोले "य" से ये क्या करती तुम
मेरी सब नादानी थी
"र" से रूठा नहीं करो
तुम सदा से मेरी रानी थी।

"ल" से लड़कर कहते है कि
प्रेम सदा ही बढता है
"व" से हो विश्वास अगर तो
रिश्ता कभी न मरता है।

"श" से शादी की है तो हम
"स" से साथ निभाएगे
"ष" से इस चक्कर मे हम
षट्कोण भले बन जाएगे।

पत्नी गर्वित होकर बोली
"ह" से हार मानते हो
फिर न नोबत आए ऐसी
वरना मुझे जानते हो।

"क्ष" से क्षत्राणी होती है नारी
"त्र" से त्रियोग भी सब जानती है
"ज्ञ" से हे ज्ञानी पुरुष। चाय पियो।
और खत्तम करो यह राम कहानी।

चारु

"हिन्दी मेरे और मैं हिन्दी के साथ"

मुझे गर्व है मैं उस भारत का रहवासी हूँ
जहाँ हिन्दी बोली जाती है

हिन्दी का एक–एक शब्द , शब्द न होकर
अपनी एक पूर्ण कहानी कहता है
हिन्दी के इन शब्दो के झरनो से ही निकलकर
"रामचरितमानस" जैसा महान काव्य निरन्तर बहता है

हिन्दी ने ही जन्म दिया कबीर,प्रेमचंद
जैसे महान रचनाकारों को
हिन्दी देती हमे होंसला निरन्तर
आगे कदम बढ़ाने को

मुझे गर्व है मैं उस भारत का रहवासी हूँ
जहाँ हिन्दी बोली जाती है

हिन्दी मुझे देती शक्ति नए विचारो के सृजन की
आपके मेरे विचारो को आपस मे बतलाने की
हिन्दी हमे भारतीय होने का गर्व
और एहसास कराती है

हिन्दी ने मुझे संभाला अपने शब्दो के द्वारा
हिन्दी ने दी मुझे अपने मन के भावो को
आप तक पहुचाने की ज्वाला

हिन्दी मेरी कल्पना शक्ति को जीवंत बनाती है
मुझे गर्व है मैं उस भारत का रहवासी हूँ
जहाँ हिन्दी बोली जाती है

परंतु मैं होता हूँ दुखी ,
जब मुझे यह युवा पीढ़ी मिलती है अँग्रेजी मुखी
आज की युवा पीढ़ी हिन्दी से परहेज करती है
एक दिन नहीं नित रोज़ करती है

वह हिन्दी को पराया और अँग्रेजी को अपना मानती है
वह हिन्दी के महत्व को नही जानती है

मुझे गर्व है मैं उस भारत का रहवासी हूँ
जहाँ हिन्दी बोली जाती है

मुझे और आपको लेनी होगी शपथ
हिन्दी को शीर्ष पर बनाए रखने की
इसके स्वर्णिम इतिहास और
विकास को बचाए रखने की
इसके महत्व को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने की
"हिन्दी है हम" यह बात विश्व को समझाने की

मुझे गर्व है मैं उस भारत का रहवासी हूँ
जहाँ हिन्दी बोली जाती है

लखन स्नातक

"बचपन की यादों का पिटारा"

आज बैठे–बैठे बचपन की यादों का पिटारा खोला
क्या बहुत याद आता है, याद करो –दिल ये बोला

जाने क्यों याद आयी, वो बॉम्बे की मिठाई
यादों के साथ साथ, होठों पर एक मिठास सी लाई

वो रंग बिरंगी मिठाई, साइकिल पर जब आती थी
मोहल्ले के बच्चों की, खुशी की वजह बन जाती थी

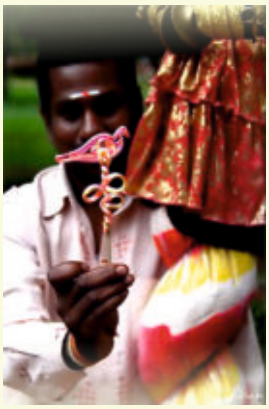

कोई बनवाता घड़ी उसकी, कोई बन्दूक बनवाता
कोई हवाई जहाज़ बनवाके, जैसे हवा में उड़ जाता

जाने क्या जादू था उन हाथों में,
जो मिठाई बेचने आते थे
जो भी हम बोलते उनसे,वही कृति वो बनाते थे

कई साल बीत गए, जाने कहाँ वो सब खो गए
बॉम्बे की मिठाई बेचने वाले, कहाँ विलुप्त हो गए

आपको नज़र आएं कभी, तो मुझे जरूर बतलाना
एक बार फिर जी कर देखूंगा, वो बचपन का जमाना

अपने बचपन के पिटारे पर, मैं यही विराम लगाऊँगा
जल्दी पिटारे में से कुछ नया, आपके लिए लेकर आऊँगा

कपिल कुकरेजा
समूह प्रबंधक

"जीवन के रस"

क्या होते हैं जीवन के रस,
बच्चे के मन से पूछो,बचपन की शरारतों का रस,
एक माँ से पूछो,बांहों में नन्हे को झुलाने का रस,
एक पिता से पूछो,कंधों पर बैठाने का रस,
क्या होते हैं जीवन के रस।

नदियों से पूछो,सागर से मिलने का रस,
पहाड़ों से पूछो,आसमान को छुने का रस,
चाँद से पूछो,तारों से सजने का रस,
क्या होते हैं जीवन के रस।

पथिक से पूछो, मंजिल पाने का रस,
दिल से पूछो, किसी के लिए धड़कने का रस,
दोस्तो से पूछो, शाम की बैठक का रस,
क्या होते हैं जीवन के रस।

परिश्रम बहुत है जिंदगी के रास्तों में,
पर कुछ वक्त रिश्तों के साथ निभाने का रस,

कुछ यूं ही जिंदगी अपनों के साथ गुजारने का रस,
बस ये होते हैं जीवन के रस।

धीरेंद्र प्रताप सिंह
वरिष्ठ सहायक

"बिटिया"

मैं बिटिया हूँ दुनिया में, आना चाहती हूँ।
दुनिया में जीने का हक मुझे भी है,
मत मारो गर्भ में ही मुझे।

माँ मेरा कसूर क्या है जो तुम भी
जीवन देना नहीं चाहती मुझे।
क्या दुनिया के तानों से डरती हो,
या परिवार की सोच से।
विश्वास करे मेरा माँ तुम्हारा
सर झुकने नहीं दूंगी दुनिया में।

रूखा सूखा खाकर जैसे तुम चाहोगी रह लुंगी मैं,
बेटा बनकर तेरे आँगन में उजाला न कर पाई मैं।

पर तेरे आँगन को अपनी मासूम सी
मुस्कान से महकाऊँगी मैं,
प्ढ़ लिखकर तेरा नाम करूंगी रोशन,
तुझे सम्मान दिलाऊँगी मैं।

माँ बढ़ती उम्र की थकान होगी
कभी तो अपने प्यार का मरहम लगाऊँगी मैं।

वादा करती हूँ तुझसे मुझे
दुनिया में लाने का अफसोस न होगा तुझे।

गर्व से सर ऊंचा करूंगी तेरा
मुश्किलों से न हार जाऊँगी मैं।
माँ तेरी नन्ही सी गुड़िया हूँ,
दुनिया में आना चाहती हूँ मैं।

श्रीमती पूनम
प्राध्यापक
राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय, भारत सरकार

"मन की बातें"

एक शिकायत तुम्हें थी मेरे इतना फिक्र करने पर,
एक गिला मुझे भी था तुम्हारे कुछ ना सुनने पर।

छूटे हाथ और ज़िंदगी की लड़ी ना जाने कब टूट गई, बेटा तुम याद थे कल मुझे आज मैं सदा के लिए याद बन गयी।

फिर से संग तेरे बैठने और लंबी बातों की आस थी, गुजरे वक्त में कुछ संवेदनाएं थीं जिनकी भी कद्र जरूरी थी।

तेरे बचपन की यादें तुझे सोपनी थी, कुछ सामान था तो ढेरों यादों की पोटली थी।

इतना ही हमारा साथ था पर बहुत खास था,माँ के जीवन के "अंकुर" का यही सार था।

वायु जल अग्नि धरा आकाश पंच तत्वों का पिंजरा है काया,इस पिंजरे में हंस है जकड़ा, उड़ गया पंछी छोड़ के काया।

यादें बाकी अब शिकायत का क्या फायदा,मीलों पीछे छूट गया सुनने सुनाने का कायदा।

अंकुर मित्तल
समूह प्रबंधक

"प्यारी सांझ"

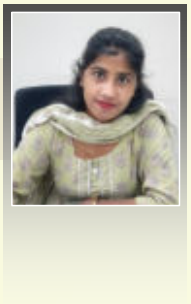

डूबते सूरज और उगते चाँद दोनों को समेटे है, प्यारी सांझ।

ग्रीष्म के शुष्क ताप संग शीत की ठंडी फुरवारी है, प्यारी सांझ।

आकाश मंडल और भू–मंडल को एक–दूसरे में संजोती, प्यारी सांझ।

मंदिर के बजते घंटो को घर में जलते दीपक की लौ से जोड़ती, प्यारी सांझ।

लाल आसमान के दर्पण को अँधियारे की चादर उड़ाती, प्यारी सांझ।

मुसाफिरों को उनके, लक्ष्य तक पहुँचने का धीरज बंधाती, प्यारी सांझ।

प्रेमियों के दृढ़ प्रेम में समर्पण की सौम्यता भरती, प्यारी सांझ।

जीवन में हर पल संगम की आस जगाती, प्यारी सांझ ।।

ज्योत्सना पाँचाल

17.3.2023 17:15

तारीफ़

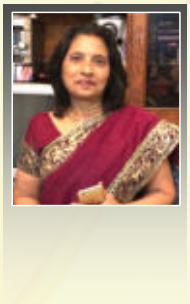

तनु और तुषार बचपन से दोस्त हैं और ये दोस्ती कब प्यार में बदल गई पता ही नहीं चला। दोनों का साथ कॉलेज जाना ,साथ घूमना फिरना,एक दूसरे को छेड़ना और वक्त आने पर एक दूसरे की मदद करना,एक दूसरे को बहुत भाता था।

तनु को कुछ दिनों से ऐसा लगने लगा था कि तुषार अब उससे पहले जैसा प्यार नहीं करता है, वो ना उसकी अब तारीफ़ करता है, ना ही उसकी तरफ़ ध्यान देता है। अब वो घर आता भी था तो उसकी माँ अमिता की ही तारीफ़ करता रहता था। पहले तो सिर्फ़ उनके बनाये खाने की तारीफ़ करता था पर अब तो वो उनके कपड़ों की, झुमके ,पायल, बिंदी, चूड़ी काजल की यहाँ तक तो ठीक था। अब तो कहने लगा था आंटी जब किचन में वो छोटी सी जूड़ी बना कर जाती हैं और वो जो एक लट उनके माथे पर लहराती है कमाल ही करती है।

पहले तो तनु को अच्छा लगता था कि माँ की तारीफ़ होती है। माँ थी हीं तारीफ़ के काबिल पर अब उसको उनसे ही जलन सी महसूस होने लगी थी। तनु ने गुस्से से दनदनाते हुए पूछ ही लिया, माँ की ही तारीफ़ करते रहते हो मेरी क्यों नहीं करते हो अब? तुषार ने मासूमियत से जवाब दिया "तुम तो रोज़ एक सी लगती हो जींस और टॉप में"।

तनु ने माँ के कई बार पूछने पर कह ही दिया। मुझे अब तुषार से बात नहीं करनी है। अब वो मुझे पसंद नहीं करता है ना ही मुझ पर वो ध्यान देता है। "फिर किसे पसंद करता है वो" अमिता ने खीजते हुए पूछा? तनु ने ना चाहते हुए भी आँखो के आसूँ छुपाते हुए कहा वो आपको पसंद करता है, आपकी ही बात करता है। आपके झुमके ,चूड़ी, काजल ,बिंदी कपड़ों की, आपके माथे पर लहराती लट की तारीफ़ करता है। अमिता सोचने लगी, अपनी नादान बेटी को कैसे समझाऊँ कि वो मुझ से नहीं मेरी... अमिता मुस्कराते हुए वहाँ से चली गई।

तनु को और गुस्सा आ गया पैर पटकते हुए बड़बड़ाई "माँ तो खुश हो गईं मुझे पता था सब अपनी तारीफ़ सुन कर खुश हो जाते हैं।"

अमिता तनु के लिए जो कपड़े ख़रीद के लाई तनु को पसंद नहीं आये दाँत भीचते हुए बोली "आपको पता है ना मैं ऐसे कपड़े नहीं पहनती हूँ ,ना ही मुझे कोई शौक़ है झुमके हार का"। अमिता ने प्यार भरी झिड़की देते हुए कहा "आज तुझ को मैं तैयार करूँगी और सब पहनना पड़ेगा"।

अमिता ने तनु को पटियाला सूट के साथ झुमकी, हल्की सी गले में चेन पहनाई। काज़ल, छोटी सी माथे पे बिंदी, बाल ऐसे सवारें कि एक लट माथे पर लहराने लगी। तनु इतनी सुंदर लग रही थी कि अमिता ने झट से काजल का टीका लगा दिया। अमिता ने तनु को दर्पण के सामने ला कर खड़ा कर दिया। तनु ने अपने को दर्पण में निहारा और शर्माते हुए बोली "माँ मैं तो आपके जैसे लग रही हूँ"।

डोरबैल बजते ही तनु ने दौड़ कर दरवाज़ा खोला, तुषार सामने खड़ा था। तुषार उसको एकटक देखता ही रह गया। तुषार तो जैसे पलकें झपकना ही भूल गया। तनु अगर चुटकी ना बजाती तो वो तो होश में ही ना आता। तुषार बार बार अपनी आँखें मलता और तनु को देखता तनु ने शर्माते हुए कहा "मैं ही हूँ ऐसे देखना बंद करो और अंदर आ जाओ"। तुषार को यक़ीन ही नहीं हो रहा था, ये जींस टॉप वाली लड़की सजधज के इतनी खूबसूरत लग सकती है। यही तो वो चाहता था...

तुषार तनु की तारीफ़ करते हुए थक नहीं रहा था उसकी माथे की लट को हटाते हुए बोला "ये चाँद अब तक कहाँ छुपा था..."

अमिता की आँखें नम हो गईं। उसने सुकून की एक लंबी साँस ली...

नीराम

पदोन्नति / प्रमोशन

पदोन्नति शब्द हम बचपन से सुनते आए हैं इसमें निहित अर्थ से खुश होते आए हैं।
ये चाहे उच्चतर कक्षा में प्रवेश का हो, या किसी वस्तु विशेष को बढ़ावा देने का हो,
सदा अच्छा ही लगता आया है।

किन्तु जब विद्यार्थी जीवन की सीमाओं को पारकर, यह नौकरी की क्षेत्र में पहुंचा तो भयभीत करता आया हैं।
नौकरी में प्रवेश करते समय किसी ने नहीं बताया कि पदोन्नति शब्द वहाँ भी साथ आयेगा।
केवल साथ आता तो चिंता न होती, ये पता न था, बार बार आकर इतना तड़पाएगा।

अपनी सरकारी सेवा के आरंभिक दिनों में हम नियमानुसार कार्यालय आने जाने लगे थे।
कार्यालय का अधिकतर कार्य तो हम वहीं कर लेते, जो रह जाता, घर पर निपटाने लगे थे।
घर पर रहकर कुछ घरेलू कार्यों में भी, समय सुचारु रूप से व्यतीत हो रहा था।
संक्षेप में कहें तो अपवादों को छोड़कर, जीवन शांति से व्यतीत हो रहा था।
प्रारंभिक वर्षों में कार्यालय में, घर में, मित्रों में, संबंधियों में सामान्य समय बिता रहे थे, मस्तिष्क पर बिना कुछ तनाव लिए, जीवन आनंद से गुजार रहे थे।

सुबह शाम और आजकल होते – होते, पाँच वर्ष कब बीत गए पता ही नहीं चला, एक दिन जब अचानक प्रशासनिक अधिकारी से सूचना जारी हुई तब जाकर कहीं पता चला।
सूचना में लिखा था कि दस दिन बाद, पदोन्नति का युद्ध शुरू होगा।
जो सफल होंगे, वे वीरता पदक से सम्मानित होंगे, और शेष का नाम शहीदों की सूची में होगा।
भुक्त भोगियों ने बताया कि यह युद्ध आसान नहीं होगा, पहले लिखित का भीषण संग्राम फिर हृदय विदारक, अकल्पनीय साक्षात्कार का नाटक होगा।

धैर्य धारण कर हमने तैयारी आरंभ कर दी थी, समय आने पर लिखित परीक्षा पास कर ली थी।
साक्षात्कार में पुराने अनुभवों के आधार पर, हमने मान लिया था कि हम सलैक्ट हो गए थे।
किन्तु चार दिनों बाद जब सूचना पटल पर परिणाम देखा, तो पता चला कि हम रिजैक्ट हो गए थे।
मित्रों, ये असफलता ही नहीं थी, भविष्य में होने वाली पदोन्नतियों के निर्णायक संघर्ष का प्रारम्भ था।
ये परीक्षा थी अस्तित्व की, सम्मान की रक्षा की, और बचे हुए सेवाकाल का बलशाली, स्तंभ था।

देखते ही देखते पाँच वर्ष का अंतराल फिर बीत गया था,
और एक बार फिर पदोन्नति का महाकाल आ गया था।
परिवार एवं मित्रों ने तो हमारी सफलता को निश्चित मान लिया था।
और आत्मविश्वास, अनुभव एवं योग्यता के आधार पर हमने भी अपना चयन सुनिश्चित जान लिया था।
लिखित पुस्तिका एवं परिणाम की प्रतियाँ सील कर दी गई थीं।

कैसे ये रात कटेगी तो परिणाम आएगा।
कल सांयकाल उच्चतर की सूची में नाम आएगा।
यह भी हुआ, वह भी हुआ, सब कुछ हुआ, पर जिसकी प्रतीक्षा थी वह नहीं हुआ।
परिणाम ऐसा था जिसने हमे विचलित कर दिया था।
किन्तु हमने भी भविष्य का उपचार समुचित कर लिया था।

जन्म पत्रिका लेकर हम कुल गुरु की शरण में आ गए थे,
सफलता की सारी संभावनाओं को समेटकर उनके श्री चरणों में आ गए थे।
पत्रिका का अवलोकन कर, उन्होंने स्पष्ट कह दिया था,
शनिदेव की साढ़ेसाती ने पदोन्नति की सारी आशाओं को समूल हर लिया था।
इस साढ़ेसाती के बाद कई ओर साढ़ेसाती आती गईं थीं,
और पदोन्नति की सारी संभावनाओं को मिटाती गई थीं।
पेंतीस वर्षों के सघन प्रयासों के बाद हम पचपन के हो गए थे।
पदोन्नति आदि को छोड़कर अब हम बचपन के हो गए थे।

सरकार की ओर से जब स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति का नियम आया, हमने उसे सबसे पहले खुशी – खुशी अपनाया। जो कुछ भी हुआ था, अच्छा ही हुआ था, पदोन्नति जैसे शब्दों से हमने अब नाता तोड़ दिया था।
जीवन के इस निर्णायक पड़ाव पर जो भी मिला था, उसी में संतोष कर लिया था।
अब हम पदोन्नति की नहीं जन कल्याण की सोचते हैं,
समाज के लिए कुछ यादगार करें, फिर महाप्रयाण की सोचते हैं।
समाज के लिए कुछ यादगार करें, फिर महाप्रयाण की सोचते हैं।
फिर महाप्रयाण की सोचते हैं।

डॉ सतीश चन्द्र शर्मा,
संयुक्त निदेशक (सेवा निवृत्त) एवं
भूतपूर्व अध्यक्ष, एन.सी.बी. राजभाषा कार्यान्वयन समिति

"कंठस्थ :– राजभाषा हिंदी के विकास का सारथी"

जबसे भारत स्वतंत्र हुआ है तब से अंग्रेजी बनाम हिंदी विवाद विद्यमान है क्योंकि बहुत से लोग अंग्रेजी को सरल व सहज समझकर हिंदी की उपेक्षा करते हैं जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। अंग्रेजी के अपेक्षा हिंदी ज्यादा वैज्ञानिक व समृद्ध भाषा है क्योंकि हिंदी में जैसा हम बोलते है वैसा ही लिखते भी है परंतु आज के बदलते परिवेश में यह विवाद बहुत हद तक कम हुआ है और हिंदी की लोकप्रियता में भी वृद्धि हुई है। भारत में स्वतंत्रता के समय से प्रावधान है कि भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों/उपक्रमो तथा बैंकों इत्यादि में जो भी कार्य होगा, वह हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यमों में होगा तथा इसके लिए अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद का सहारा लिया जाता है क्योंकि अभी पूर्ण रूप से मौलिक कार्य हिंदी में आरंभ नहीं हुआ है तथा हिंदी से अंग्रेजी में और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद का कार्य बढ़ा है। अनुवाद की एकरूपता तथा उत्कृष्ट को बनाए रखने के लिए राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित ऐप श्कंठस्थश विकसित किया है जो अनुवाद के कार्य को सरल व सहज बनाता है। "कंठस्थ" का अगस्त 2018 में मॉरीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी द्वारा लोकार्पण किया गया। वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा इसका उन्नत संस्करण "कंठस्थ 2.0" विकसित किया गया है। "कंठस्थ 2.0" हिंदी प्रेमियों के लिए अंग्रेजी से जुड़ने के लिए सेतु का कार्य करता है। यह प्रयोग में बहुत ही आसान है, कोई भी आसानी से "कंठस्थ 2.0" का उपयोग अपने हिंदी अनुवाद कार्य के लिए कर सकता है तथा यह हिंदी के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ उसके विकास में भी सहयोग कर रहा है। "कंठस्थ 2.0" मौजूदा समय में गूगल ट्रांसलेटर जैसे विदेशी सॉफ्टवेयर का एक पूर्ण स्वदेशी विकल्प है तथा इसकी कार्य प्रणाली व इसकी सटीकता इसे अन्य ऐप व सॉफ्टवेयर से भिन्न बनाती है। वर्तमान में "कंठस्थ 2.0" के द्वारा हम अंग्रेजी से हिंदी में तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद कर सकते हैं

"कंठस्थ 2.0" की मूलभूत जानकारी :– "कंठस्थ 2.0" ट्रांसलेशन मेंमोरी (टी.एम.) तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीनी अनुवाद प्रणाली है। इस अनुवाद सिस्टम से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। स्मृति आधारित अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें यूजर द्वारा किए गए कार्य को संग्रहित किया जाता है जिसे किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः प्रयोग किया जा सकता है। यदि अनुवाद की नई फ़ाइल का वाक्य टी.एम. के डाटाबेस से पूर्णत अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम से खोज कर लाता है। यदि वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं है तो यह न्यूरल ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

"कंठस्थ " में कुछ मुख्य शब्द प्रयोग किए जाते हैं तथा उनका क्या प्रयोग व क्या अर्थ है आइये जानते हैं:–

ट्रांसलेशन मेंमोरी (टी.एम):– ट्रांसलेशन मेंमोरी वस्तुतरू एक डाटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनूदित रूप को एक साथ रखा जाता है यह दो प्रकार की होती है:–

(1) लोकल टी.एम :– यूजर के लॉगिन पर जो टी.एम बनती है उसे लोकल टी.एम कहते हैं। यह प्रोजेक्ट और फोल्डर के आधार पर संग्रहित होती है तथा प्रत्येक यूजर की अपने टी.एम होती है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करने से ही टी.एम का डेटाबेस बढ़ता रहता है

(2) ग्लोबल टी.एम :– यह टी.एम "कंठस्थ " के सेंट्रल सर्वर (राजभाषा विभाग द्वारा एनआईसी की सहायता से हैदराबाद में स्थापित) पर संग्रहित होती है तथा vetter द्वारा इसको सर्वर पर अपलोड किया जाता है इसी टी. एम को ग्लोबल डेटाबेस भी कहते हैं। ग्लोबल टी.एम प्रति यूजर के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध रहती है।

पूर्णतः मिलान :– जिन वाक्यों का अनुवाद करते समय सिस्टम पूर्णतः मिलान दिखाता है उन वाक्यों का स्कोर 100 आता है इसका अर्थ यह है कि इस वाक्य का अनुवाद 100 प्रतिशत सही है।

आंशिक मिलान :– जिन वाक्यों का 100 प्रतिशत मिलन नहीं होता है परंतु 1 – 99 प्रतिशत तक के मध्य का मिलान उपलब्ध होता है उसे fuzzy match या आंशिक मिलान कहते हैं। इस मिलान के प्रतिशत को यूजर कम या ज्यादा भी कर सकते हैं तथा इसे हटा भी सकते हैं।

एमटी न्यूरल मशीन ट्रांसलेशनः– यह किसी वाक्य का अनुवाद ग्लोबल या लोकल टी.एम से प्राप्त नहीं होता है तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उसे वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

'कंठस्थ' की कार्यप्रणाली आईए जानते हैं कि वह कैसे काम करता है:– "कंठस्थ" पर कार्य करने के लिए सर्वप्रथम हमें इस पर पंजीकरण कर अपना यूजर आईडी तथा पासवर्ड बनाना होता है।

इसके बाद ही लॉगिन किया जाता है। लॉगिन के बाद हम होम पेज पर दो बार (एक मैन्यू बार तथा दूसरा टूलबार) दिखाई देते हैं–

(1) मैन्यू बार :– "कंठस्थ " के लॉगिन के बाद होम पेज पर ऊपर मध्य से दाहिनी ओर तक 08 बटनों का एक समूह हैं जिसे मैन्यू बार कहते हैं। इसमें इंस्टेंट ट्रांसलेशन, नोटिफिकेशन, शो टी.एम, एनालिसिस रिपोर्ट, डिक्शनरी, फीडबैक तथा लोग आउट के बटन उपलब्ध हैं ।

(2) टूलबार :– यह हर पेज पर अलग–अलग बटनों के साथ उपलब्ध है जैसे होम पेज पर 02 टूल बटन, प्रोजेक्ट पेज पर 03 टूल बटन तथा फोल्डर पेज पर 11 टूल बटन के साथ उपलब्ध है।

टूलबार की सहायता से प्रोजेक्ट बनाना होता है।

प्रोजेक्ट बनाने के बाद फ़ोल्डर बनाया जाता है तथा फोल्डर बनाते समय ही उसमें फाइल को अनुवाद के लिए अपलोड कर दिया जाता है।

फाइल पर डबल क्लिक कर एडिटर पेज पर अनुवाद कार्य किया जाता है:–

एडिटर पेज :– जिस पेज पर फाइल का अनुवाद कार्य किया जाता है उस पेज को एडिटर पेज कहते हैं यह किसी भी फाइल को डबल क्लिक करने पर खुल जाता था। इस पेज पर कुल 21 टूल बटन दिए गए हैं।

'कंठस्थ' के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु है जो कि इस प्रकार है :–

- सभी डेटा राजभाषा विभाग द्वारा NIC के सर्वर पर इनस्क्रिप्ट रूप में संग्रहित किया जाता है ।
- 20 एमबी तक की फाइल को अपलोड करने की सुविधा।
- फाइल को विभाजित करने की सुविधा।
- फाइल को शेयर करने की सुविधा ("कंठस्थ" सर्वर के माध्यम से तथा ईमेंल द्वारा)
- यूजर द्वारा स्वयं की टी.एम को बनाना अपनी टी.एम को शेयर करना तथा डाउनलोड करने की सुविधा।
- कार्य को सेव करने की सुविधा।
- यूजर द्वारा अनुवाद करते समय सर्वप्रथम अपनी टी.एम से मिलान उपलब्ध करने की सुविधा।
- Doc, Docx तथा Excel की फाइलों को फॉर्मेट रिबिल्ड की सुविधा।
- ग्लोबल डाटा से डाटा भेजने की सुविधा (केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों के चयनित अधिकारियों को)
- वाक्यांश खोजना।
- फाइल का विश्लेषण जिसमें पूर्ण एवं आंशिक रूप से मिले हुए वाक्यों की संख्या, कुल वाक्यों की संख्या, कुल शब्दों की संख्या तथा अनूदित फाइल का प्रतिशत आदि बताना।
- दविभाषिक् फाइल को डाउनलोड करना।
- एक समय विशेष में बनाए गए प्रोजेक्ट तथा अनुवाद की गई फाइलों की रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा।
- प्रोजेक्ट, फोल्डर तथा फाइल बनाने/अन्य कंप्यूटर से प्राप्त करने/अन्य कंप्यूटर पर भेजने की सुविधा।

- विभिन्न फॉर्मेट जैसे txt., .doc, .dot, .docx, .xls, .xlsx, .pdf (readable),.rtf आदि को अनुवाद के लिए अपलोड करने की सुविधा ।
- केवल यूनिकोड समर्पित फॉन्ट की सामग्री अपलोड करने की सुविधा।
- निशुल्क उपलब्ध है।

'कंठस्थ' की कुछ प्रमुख विशेषताएं है जैसे :–

- स्मार्ट चौटबॉट की सुविधा।
- त्वरित अनुवाद की सुविधा जिसे इंस्टेंट ट्रांसलेशन भी कहा जा सकता है ।
- प्राप्त सूचनाएं नोटिफिकेशन।
- विभिन्न फाइल–एक्सटेंशन / फॉर्मेट (36 प्रकार) का समर्थन करता है।
- न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन का विकल्प।
- ऑटोमेंटिक स्पीच स्वीकरण (recognition)।
- गुणवत्ता जांच।

'कंठस्थ' राजभाषा हिंदी के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण स्तंभ का कार्य कर रहा है क्योंकि इसके द्वारा कम समय में ज्यादा से ज्यादा अनुवाद किया जा रहा है तथा 'कंठस्थ' राजभाषा हिंदी का सारथी है जो हिंदी को विकास के पथ पर अग्रसर किए हुये है तथा अब शब्दों या अनुवाद के लिए भ्रमित होना नही पड़ेगा और मानक हिंदी का प्रयोग व व्यवहार सभी जन कर सकेंगे।

लखन स्नातक

चंद्रयान 3:– भारत के विकास की उडान

"अनिर्वेदो हि सततं सर्वार्थेषु प्रवर्तकः।
करोति सफलं जन्तोः कर्मयच्च करोति सः।।"

अर्थात– निराशावाद से मुक्ति, सफलता की ओर अग्रसर करती है। और अत्यंत प्रसन्नता प्रदान करती है। मानव के साहसी अभियान का फल प्राप्त होना तय होता है।

यह श्लोक भारत के चंद्रयान मिशन पर पूर्णतः चरितार्थ होता है जिसका साक्षी पूरा विश्व है जैसे भारत ने कभी हार ना मानकर और अपने अथक प्रयासों के द्वारा इतिहास रच दिया। आईए जानते हैं कि कहां से शुरुआत हुई थी उस चंद्रयान मिशन की जिसने भारत को विश्व पटल पर ख्याति दिलाई। इसकी शुरुआत होती है तत्कालीन प्रधानमंत्री जी श्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा साल 2003 में चंद्रयान कार्यक्रम की घोषणा से 15 अगस्त 2003 यही वह तारीख है जब भारत में चंद्रयान कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए इतिहास रचने का सफर तय किया तथा इस कड़ी में आगे बढ़ते हुए भारत सरकार ने नवंबर 2003 में सर्वप्रथम भारतीय मून मिशन के लिए इसरो के चंद्रयान–1 को मंजूरी दी थी तथा इसरो व इसके वैज्ञानिकों ने दिन रात अपने अथक परिश्रम द्वारा करीब 5 साल बाद भारत का प्रथम चंद्रयान मिशन 22 अक्टूबर 2008 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया। आपको पता है उस वक्त तक सिर्फ चार देश अमेरिका,रूस,यूरोप और जापान चंद्रमा पर मिशन भेजने में कामयाब हो सके थे तथा पांचवा देश भारत था तथा पूरे विश्व की निगाह भारत पर थी परंतु उस वक्त भारत को निराश होना पड़ा जब 14 नवंबर 2008 को चंद्रयान–1 चंद्रमा के दक्षिणी ब के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया लेकिन उस निराशा में भी आशा की किरण तब निकाल कर आई जब चंद्रयान ने चांद की सतह पर पानी की खोज की। 28 अगस्त 2009 को इसरो के अनुसार चंद्रयान–1 कार्यक्रम की समाप्ति कर दी गई। लेकिन प्रसिद्ध हिंदी लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय" जी की पंक्तियां हैं "जहां डगर चुकती है यात्रा वही से आरंभ होती है"। तो बस फिर से भारत व इसरो ने भी तभी चांद पर तिरंगा फहराने की ठान ली और शुरुआत हुई भारत के एक और मून मिशन चंद्रयान–2 की और फिर शुरू हुई भारत व इसरो की एक और परीक्षा । लगभग 10 साल बाद 22 जुलाई 2019 को भारत ने चांद की ओर अपना दूसरा कदम बढ़ाया और सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी–मार्क–3 एम, द्वारा चंद्रयान–2 ने फिर भारत के सपनों की उड़ान भरी और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान–2 ने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया इस बार चंद्रयान का मूल उद्देश्य था चांद की सतह पर सुरक्षित उतरना और फिर चंद्रमा की सतह पर रोबोट रोवर संचालित करना था परंतु होनी को कौन टाल सकता है। 02 सितंबर 2019 को चांद की ध्रुवीय कक्षा में

चांद का चक्कर लगाते समय लैंडर विक्रम अलग हो गया और सतह से केवल 2.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर लैंडर का स्पेस सेंटर से संपर्क टूट गया लेकिन भारत का इतिहास रचने के उस महान पल से पक्का संपर्क स्थापित हो गया था। उस निराशा भरे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसरो के सभी वैज्ञानिकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा "इसरो पहले समझने की कोशिश करेगा कि क्या हुआ है उसके बाद अगले कदम पर फैसला करेगा" इसी में चंद्रयान–3 मिशन का संदेश छुपा हुआ था और अपने अथक प्रयासों और दिन रात की मेहनत व अपने पुराने प्रयासों की गलतियों को ठीक करते हुए भारत में शुरू किया अपना अति महत्वपूर्ण व अंतरिक्ष क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होने वाला चंद्रयान–3 मिशन जो कि इसरो द्वारा 14 जुलाई 2023 को भारत के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र,श्रीहरिकोटा से लांच किया गया था जैसे–जैसे चंद्रयान–3 चंद्रमा के करीब जा रहा था वैसे–वैसे सभी की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही थी करोड़ों उम्मीदें चंद्रयान–3 से जुड़ गई थी और हर कोई यही जानना चाहता था कि अब आगे क्या होने वाला है। देश में ही नहीं विदेशों में भी भारत के चंद्रयान–3 की खबर हर कोई जानना चाहता था और करीब दो हफ्ते बाद यानी 24 अगस्त 2023 शाम 6:30 बजे वह स्वर्णिम पल लाया जब विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया और ऐसा करने वाला भारत पहला देश बन गया। रोवर प्रज्ञान ने चंद्रमा की सतह पर उतरकर चलना शुरू किया तो जहां–जहां से भी वह गुजरा वहां भारत की छाप छोड़ता चला गया और चांद के दक्षिणी ध्रुव के जिस स्थान पर लैंडर विक्रम ने लैंडिंग की थी उस स्थान को "शिवशक्ति पॉइंट" नाम दिया गया है तथा चंद्रयान–3 की सफलता ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का गौरव भी नहीं वर्चस्व भी बढाया है क्योंकि गांधी जी का कथन है "आप जो आज करते हैं उस पर आपका भविष्य निर्भर करता है" और मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत व इसरो भविष्य मे ऐसी ही सफलताए प्राप्त करता रहेगा ।

मैं उम्मीद करता हूं कि आपने चंद्रयान–3 वह इससे जुड़े हुए संघर्ष को जान लिया होगा और जब भी आप कभी निराश हो तो बस सोहनलाल द्विवेदी जी की इन पंक्तियों को दोहरा लीजिएगाः–

"लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती"

आप जहाँ भी है जो भी काम कर रहे है अपनी पूरी लगन व मेहनत से करते रहिए। आप एक बार असफल हो सकते है पर ध्यान रखिएगा आपका अगला प्रयास आपको चंद्रयान–3 की तरह सफल और इतिहास में अमर बना सकता है।

लखन स्नातक

G20 और भारत

द ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी, या G20, एक अंतर सरकारी संगठन है जो यूरोपीय संघ और 19 अन्य देशों (EU) से बना है। G20 बैठक में वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए दुनिया की बीस सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सम्मिलित है। साथ में, G20 देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 80% से अधिक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 75% और दुनिया की 60% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते गए कि –
G20 एक अंतरराष्ट्रीय संगठन, आर्थिक सहयोग की प्रणाली, समृद्धि का माध्यम, सभी देशों को जोड़े यह संगठन, विश्व के 20 देश इसमें शामिल, आर्थिक स्थिरता, सतत् विकास, सामरिक सुरक्षा, प्रकृति की सुरक्षा, विश्व में बढ़ाए समरसता, का एक वैश्विक मंच है जिसका उद्देश्य विश्व अर्थव्यवस्था के सुधार और विश्व के लिए संयुक्त प्रयास है।

G20 की स्थापना 1999 में एशियाई वितीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और बैंक के गवर्नरों के साथ चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी। 2007 के वैश्विक आर्थिक संकट के बाद G20 राष्ट्रीय अध्यक्षों और शासन अध्यक्षों तक उन्नत किया गया और 2009 में इसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग मंच से नामित किया गया । शुरुआत में G20 आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने पर केंद्रित था परंतु बाद में आवश्कतानुसार इसके उद्देश्यों में विस्तार करते हुए जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और भ्रष्टाचार विरोध को शामिल किया गया है। G20 समूह दो ट्रैक पर कार्य करता है – वित्त ट्रैक और शेरपा ट्रैक। वित्तिय ट्रैक राजकोषीय मुददों पर केंद्रित हैं तो शेरपा ट्रैक राजनितिक, पर्यावरण, सतत् विकास और भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों पर केंद्रित है।

G20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक क्रमिक अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है। नवबंर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में 17वें G20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर 1 दिसंबर 2022 से भारत को आधिकारिक तौर पर जी20 का अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त हुआ। यह हर भारतवासी के लिए यह बड़ा अवसर है क्योंकि ये जिम्मेदारी भारत को आज़ादी के अमृतकाल में मिली है।

भारत की G20 समूह की अध्यक्षता का विषय– महा उपनिषद संस्कृत वाक्य – "वसुधैव कुटुम्बकम्" या एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य है। इस मंत्र के साथ पूरी दुनिया को एक साथ लेकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। G20 एजेंडा में एक थीम है एल. आई. एफ. ई. (लाइफ स्टाइल फ़ॉर एनवायरनमेंट) की अवधारणा,

जिसका उद्देश्य सतत् जीवन के लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना है।

G20 प्रतीक चिन्ह में भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों– केसरिया, सफेद, हरा और नीला से प्रेरणा ली गयी है। यह भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। इसकी विषयवस्तु सभी जीवन – मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर सम्बन्धता की पुष्टि करता है।

वर्तमान अध्यक्ष के रूप में भारत ने दुनिया को सभी के लिए बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ "वसुधैव कुटुम्बकम्"– एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देना चाहता है जो समावेशी हो और जिसका लक्ष्य बहुसंख्यक मानवता के जीवन को बेहतर बनाना हो ।

8 से 10 सितंबर 2023 दिल्ली के मंडपम में आयोजित 18वें जी 20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्य बनने के बाद यह पहले से और अधिक मजबूत और बड़ा हो गया है क्योंकि अफ्रीकन यूनियन 55 देशों का एक ऐसा संघ है जिसमें दुनिया की करीब 18ः आबादी रहती है। यह विश्व का करीब 20% भूमि क्षेत्र है जिसकी अर्थव्यवस्था 7 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है। इसके अलावा हर वर्ष अध्यक्ष देश कुछ देशों और संगठनों को मेहमानों के तौर पर भी आमंत्रित करता है। ऐसे में इस समूह द्वारा लिया गया फैसला विश्व की अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। G20 वैश्विक स्थिरता और बढ़ावा देने के लिए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच आर्थिक नीतियों पर चर्चा और समन्वय के लिए एक मंच के रूप में काम करता है।

भारत ने नई दिल्ली G20 शिखर सम्मेलन में खेमों में बंटी दुनिया को एक साझा घोषणा पत्र के लिए राजी करते हुए उत्तर और दक्षिण के बीच बने असंतुलन को दूर करने में, एक नए भारत – मध्य–पूर्व – आर्थिक गलियारे को विकसित करके वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाने, ऋण संकट समाधान के लिए विश्व बैंक जैसी वितीय संस्थाओं की वित्त पोषित करने और जलवायु संकट से निपटने के लिए वैश्विक जैव– ईंधन आलयन्स बनाने जैसी दर्जनों पहल करते हुए भारत ने भू–राजनीतिक और आर्थिक खेमों में बंटी दुनिया को एक कुटुंब के रूप में जोड़ने का प्रयास करते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

जय हिंद।

सुनीता

टिप्पणी लेखन के लिए प्रयोग किये जाने वाले वाक्य / शब्द

अंग्रेजी में टिप्पणियां(noting)	हिन्दी में टिप्पणियां
above given	ऊपर दिया गया
above mentioned	उपरोक्त
a brief note is placed below	एक संक्षिप्त नोट नीचे दिया गया है
acceptable proposal	स्वीकार्य प्रस्ताव
accordingly	तदनुसार
acknowledgement of receipt	पावती रसीद
action at once please	अविलंब कार्रवाई करें
action is underway	कार्रवाई चल रही है
action may be taken accordingly	तदनुसार, कार्रवाई की जा सकती है
act of misconduct	कदाचार
administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन लिया जा सकता है
advance from pay/provident fund is permissible	वेतन/भविष्य निधि से अग्रिम अनुमन्य है
after consultation with	से परामर्श के बाद
after discussion	चर्चा के बाद
after perusal	अवलोकन के बाद
against public interest	लोक हित के विरुद्ध
agenda is sent herewith	कार्यसूची साथ भेजी जा रही है
as laid down	यथा निर्धारित
as may be specified	जैसा विनिर्दिष्ट किया जाए
as notified	यथा अधिसूचित
as per	के अनुसार
as per instructions	निर्देशानुसार
as recommended	यथा सस्तुत
as recommended by	द्वारा अनुशंसित
as regards	के संबंध में
as verbally instructed	जैसा कि मौखिक रूप से निर्देश दिया गया है
attached herewith	इसके साथ संलग्न
authority competent to sanction/ make payment/decide the case	मंजूरी देने/भुगतान करने/मामले का फैसला करने के लिए सक्षम प्राधिकारी
background of the case	मामले की पृष्ठभूमि
backward reference	पूर्व संदर्भ
balance at credit	बकाया रोकड़

balance in hand	शेष राशि
ban of creation of posts	पदों के सृजन पर रोक
beg to state	निवेदन है कि
behind schedule	निर्धारित समय से पीछे या के बाद
benefit of death gratuity	मृत्यु उपदान का लाभ
bill outstanding	बकाया बिल
boarding and lodging	भोजन और आवास
bring into notice	ध्यान में लाना
bring into operation	संचालन में लाना
by hand	दस्ती
by special messenger	विशेष संदेशवाहक द्वारा
by virtue of	के आधार पर
carried forward	आगे बढ़ाया
case has been closed	मामला बंद कर दिया गया है
case for disposal	निपटान के लिए मामला
ceased to be payable	देय होना बंद हो गया
certificate by the competent	सक्षम द्वारा प्रमाण पत्र
charge handed over	कार्यभार हस्तांतरित
checked and found correct	जांच की गई और सही पाया गया
collection of arrears	बकाया का संग्रह
continue in office	कार्यालय में जारी
date and time of receipt	प्राप्ति का दिनांक और समय
date of issue	जारी करने की तिथि
delay regretted	विलंब के लिए खेद है
demi-official (D.O.)	अर्ध-शासकीय (डी.ओ.)
departmental investigation	विभागीय जांच
departmental irregularaties	विभागीय अनियमितता
departmental negligance	विभागीय लापरवाही
discharge certificate	विमुक्ति पत्र
discretionary power	विवेकाधीन अधिकार
disposal of cases	मामलों का निस्तारण
draft, as amended, may be issued	मसौदा, संशोधित रूप में जारी किया जा सकता है
draft as amended is put up	संशोधित प्रारूप प्रस्तुत किया गया है
draft is concurred in	मसौदे पर सहमति है
draft reply is put up for approval	मसौदा उत्तर अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है

early action in the matter is requested	मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है
early orders are solicited	शीघ्र आदेश मांगा गया है
fresh receipt	नई आवती
from pre page	पूर्व पृष्ठ से
from time to time	समय - समय पर
full autonomy	पूर्ण स्वायत्तता
get clarification of the staff concerned	संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करें
give details	विस्तार से बतायें
I agree with 'A' above	मैं ऊपर 'क' से सहमत हूं
I am directed to state that	मुझे यह कहने का निदेश हुआ है
in accordance with	के अनुसार
in addition to	के अलावा
in bold letters	मोटे अक्षरों में
in compliance with	के अनुपालन में
in confirmation of	की पुष्टि में
In conformity with	के अनुरूप
in consequence of	के परिणाम में
in continuation of this office letter no.	इस कार्यालय के पत्र सं.के क्रम में
In contravention of	का उल्लंघन करते हुए
in exercise of	के प्रयोग में
In keeping with	ध्यान में रखते हुए
in lieu of	के स्थान पर
in service training	सेवाकालीन प्रशिक्षण
in so far as	जहां तक कि
in the case of	के मामले में
In the order of seniority	वरिष्ठता के क्रम में
in this instance	इस उदाहरण में
kindly expedite disposal	कृपया शीघ्र निस्तारण करें
kindly instruct further	कृपया आगे निर्देश दें
kindly review the case	कृपया मामले की समीक्षा करें
knock down price	नीलामी कीमत
leave travel assistanace	छुट्टी यात्रा सहायता
leave travel concession	छुट्टी यात्रा रियायत
letter of acceptance	स्वीकृति पत्र
letter of guarantee	प्रत्याभूति पत्र

letter of intent	आशय पत्र
may please see	कृपया देखें
medical certificate of fitness	फिटनेस चिकित्सा प्रमाण पत्र
medical certificate of sickness	बीमारी का चिकित्सा प्रमाण पत्र
memo of demands	मांगों का ज्ञापन
memorandum of objection	आपत्ति ज्ञापन
memorandum of understanding	समझौता ज्ञापन
on the compassionate grounds	अनुकंपा के आधार पर
order are solicited	आदेश मांगा है
order may be issued	आदेश जारी किया जा सकता है
otherwise action will be taken against	अन्यथा उस के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी
out and out	सम्पूर्ण
out of date	अप्रचलित
out of order	खराब
paper under consideration (P.U.C.)	विचाराधीन पत्र (पी.यू.सी.)
I agree.	मैं सहमत हूँ।
I disagree.	मैं असहमत हूँ।
Please see me.	कृपया मुझसे मिलें।
Please discuss.	कृपया मुझसे चर्चा करें।
Sanctioned.	स्वीकृत।
Approved.	अनुमोदित
Leave granted.	अवकाश स्वीकृत
Expedite action.	शीघ्र कार्रवाई करें।
May be permitted.	सहमति दी जाये।
All concerned to note.	सभी संबंधित व्यक्ति नोट करें।
Appropriate action may be taken.	उपयुक्त कार्रवाई की जाए।
Delay cannot be waived.	विलंब को माफ नहीं किया जा सकता।
Delay should be avoided.	विलंब न किया जाए।
Comments may be called from.....	..... से विचार आमंत्रित किये जाएं।
Concurrence of..... may be obtained.	..... की सहमति प्राप्त की जाए।
Action may be taken as proposed.	यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
Summary of the case may be put up.	इस मामले का सार प्रस्तुत किया जाए।
As modified.	यथा संशोधित।
Attention is invited to.....	..... की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।
Examine the proposal in the light of observation at 'A'.	'क' प्रेक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव का परीक्षण

	करें।
Facts given at page no..... may be seen.	पृष्ठ सं. ..... पर दिए गए तथ्य देखे जाएँ।
For general circulation.	सामान्य परिचालन के लिए।
Interim reply should be sent.	अंतरिम उत्तर भेजा जाना चाहिए।
Facts of the case may be put up/intimated.	मामले के तथ्य प्रस्तुत किए जाएं/सूचित किए जाएं।
Delay may be explained.	विलंब का कारण बताया जाए।
Lenient view may be taken.	उदार दृष्टिकोण अपनाया जाए।
He/they may be informed accordingly.	उसे/उन्हें तदनुसार सुचित किया जाए।
Minutes may be drawn.	कार्यवृत तैयार किया जाए।
Office may note carefully.	कार्यालय ध्यानपूर्वक नोट करें।
Orders may be complied with.	आदेशों का अनुपालन किया जाए।
Seen and returned, thanks	देखकर वापस किया, धन्यवाद।
Comments not necessary.	टिप्पणी आवश्यक नहीं।
Issue instructions forthwith.	तत्काल अनुदेश जारी किया जाए।
On return from tour.	दौरे से वापस आने पर।
Note for Cabinet/Cabinet Committee.	मंत्रिमंडल/मंत्रिमंडल कमेटी के लिए नोट।
With best wishes/with regards.	शुभकामनाओं सहित/सादर।
Reply should be sent in Hindi.	उत्तर हिन्दी में भेजा जाना चाहिए।
Pending cases be disposed of immediately.	अनिर्णित मामले तत्काल निपटाए जाएं।
Reply today/early/immediately/without delay.	उत्तर आज ही शीघ्र/तत्काल/अविलम्ब भेजें।
Please circulate among all the officers.	कृपया सभी अधिकारियों को परिचालित करवाएं।

टिप्पणी लेखन के लिए प्रयोग किये जाने वाले वाक्य / शब्द

1.	A brief note is write below	संक्षिप्त नोट नीचे लिखा है।
2.	Action may be taken as proposed	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए / प्रस्ताव के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।
3.	Accordingly it has been decided	तदनुसार यह निर्णय लिया गया।
4.	According to the terms and conditions laid by the ministry from time to time	मंत्रालय द्वारा समय- समय पर निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार।
5.	Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
6.	Advance	अग्रिम
7.	Agree with the office note	कार्यालय की टिप्पणी से सहमत हूँ।
8.	Approved / Not approved	स्वीकृत / अस्वीकृत
9.	Appraisal Report	मूल्यांकन रिपोर्ट
10.	Await reply	उत्तर की प्रतीक्षा की जाए।
11.	Bill has been scrutinised and found in order	बिल की जांच की गई और सही पाया गया।
12.	Case may be transferred to the concerned office	मामले को संबंधित कार्यालय में स्थानांतरित किया जा सकता है।
13.	Casual leave	आकस्मिक अवकाश
14.	Circulate and then file	परिचालित कर फाइल करें।
15.	Compensatory leave	प्रतिपूरक छुट्टी
16.	Consultation	परामर्श
17.	Deemed to suspend	निलंबित समझा जाए।
18.	Discrepancy may be reconciled	विसंगति का समाधान किया जाए।
19.	Documents	दस्तावेज़
20.	Do the needful please	कृपया आवश्यक कार्य करें।
21.	Draft for approval	प्रारूप/मसौदा अनुमोदनार्थ / मसौदा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत।
22.	Draft as amended in put up	यथा संसोधित मसौदा प्रस्तुत है।
23.	Draft is concurred in	प्रारूप / मसौदे से सहमति है।
24.	Early action in the matter is requested	अनुरोध है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें।
25.	Early order are solicited	शीघ्र आदेश देने का अनुग्रह करें।
26.	Entries	प्रविष्टियाँ
27.	Expedite action	कार्रवाई शीघ्र करें।
28.	Explanation may be called for	जवाब तलब किया जाए।
29.	Financial approval	वित्तीय अनुमोदन

30.	Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
31.	For necessary action	आवश्यक कार्यवाही हेतु।
32.	For favourable action	अनुवर्ती कार्रवाई के लिए।
33.	For precedent, please see	पूर्व उदाहरण के लिए कृपया देखें।
34.	Further orders will follow	आगे और आदेश भेजे जाएंगे।
35.	For further action	अगली / आगे की कार्रवाई के लिए।
36.	Forward and recommended	अग्रेषित और अनुशंसित / संस्तुत।
37.	Give details	विस्तृत जानकारी दें।
38.	Gratuity	उपदान
39.	Have been directed to inform you / request you	मुझे निदेश हुआ है कि मैं आपको सूचित करूँ / आपसे निवेदन करूँ।
40.	Head of office	कार्यालयाध्यक्ष
41.	Highly objectionable	अत्यंत आपत्तिजनक
42.	His request may be acceded to	उसकी प्रार्थना स्वीकार की जाए।
43.	Honorarium	मानदेय
44.	Implementation	कार्यान्वयन
45.	In a nutshell	संक्षेप में / संक्षिप्त में
46.	In order of preference	वरीयता के क्रम में / प्राथमिकता के क्रम में / अधिमान्यता के क्रम में।
47.	In anticipation of	की प्रतीक्षा / प्रत्याशा में।
48.	Inter-alia	अन्य बातों के साथ - साथ।
49.	Inspection	निरीक्षण
50.	Invite tender for procurement	खरीद के लिए निविदा आमंत्रित करें।
51.	Initiate process for procurement	अधिप्राप्ति / क्रय / खरीद की प्रक्रिया शुरू करें।
52.	Issue today	आज ही जारी करें।
53.	Keep in abeyance	रोके रखा जाए।
54.	Kindly collect the information from concerned sections	कृपया संबंधित अनुभागों से सूचना एकत्र करें।
55.	Leave Encashment	छुट्टी नकदीकरण
56.	LTC claim is put up for payment	अवकाश यात्रा रियायत दावा भुगतान हेतु प्रस्तुत /एलटीसी दावा भुगतान हेतु प्रस्तुत।
57.	Mention all terms and conditions in tender notice	निविदा सूचना में सभी नियमों एवं शर्तों का उल्लेख करें।
58.	Matter is under consideration	विषय / मामला विचाराधीन है।
59.	May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाए।
60.	May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए।
61.	May be replied immediately	सूचना का उत्तर तत्काल दिया जाए।

62.	No action required / necessary	किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं।
63.	Nominate a suitable person	उचित व्यक्ति को नामित करें।
64.	Office to note and comply	कार्यालय ध्यान दे और पालन करें।
65.	Order are solicited	कृपया आदेश दें।
66.	Performance	समीक्षा
67.	Permanent	स्थायी
68.	Placed under suspension	निलंबित / निलंबन के तहत रखा जाए।
69.	Please comply before due date	कृपया नियत समय से पहले इसका पालन किया जाए।
70.	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन करें।
71.	Please discuss with relevant papers	संगत कागज-पत्रों के साथ चर्चा करें।
72.	Please provide required information immediately.	माँगी गई सूचनाएं तत्काल उपलब्ध करवाएं।
73.	Put up for verification	सत्यापन के लिए प्रस्तुत करें।
74.	Reminder	अनुस्मारक
75.	Reminder may be sent	अनुस्मारक / स्मरण पत्र भेजा जाए।
76.	Responsibility	उत्तरदायित्व
77.	Retirement	सेवा-निवृत्ति
78.	Required to be confirmed	पुष्टीकरण अपेक्षित है।
79.	Sanction for payment	भुगतान के लिए स्वीकृत।
80.	Sanction is hereby accorded	स्वीकृति दी जाती है।
81.	Self-contained note	स्वत: पूर्ण टिप्पणी।
82.	Service Rules	सेवा नियम
83.	Shall not be questioned on any ground	किसी भी आधार पर टिप्पणी नहीं की जाएगी।
84.	Such action as may be deemed necessary	ऐसी कार्रवाई जो आवयक समझी जाए।
85.	Take necessary action	आवश्यक कार्रवाई करें।
86.	The file in question is placed below	संदर्भित फाइल नीचे रखी है।
87.	The file in question is not traceable	संदर्भित फाइल नहीं मिल रही है।
88.	The information sought under RTI	सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी
89.	The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव बिल्कुल नियमानुकूल है / प्रस्ताव बिल्कुल सही है।
90.	To the best of my knowledge	मेरी जानकारी के अनुसार / मेरी जानकारी के मुताबिक।
91.	Under signed	अधोहस्ताक्षरी
92.	Urgently required	अविलंब चाहिए / तुरंत चाहिए।
93.	Verification	सत्यापन

94.	Violation of rules	नियमों का उल्लंघन
95.	We are not concerned with this	इसका हमसे कोई संबंध नहीं है।
96.	With retrospective effect	पूर्वप्रभावी / पूर्वव्यापी प्रभाव सहित
97.	You are hereby authorised to	इसके लिए आप अधिकृत हैं / इसके लिए आपको अधिकृत किया जाता है।
98.	With regards	सादर
99.	Your request can not be acceded to	आपका अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता।
100.	Probation	परिवीक्षा

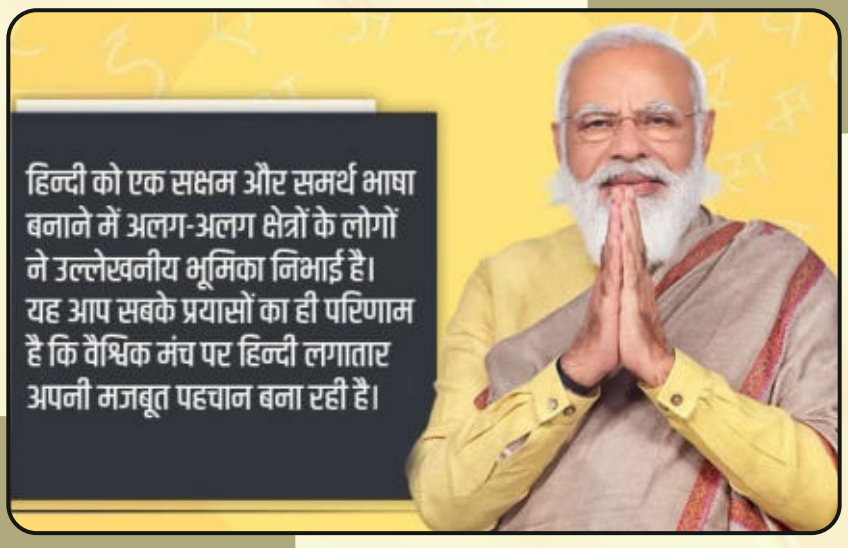

JCB

10 4 2023

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद

(भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक शासनाधीन)
34 कि.मी. स्टोन, दिल्ली–मथुरा रोड (एन.एच.–2), बल्लबगढ़–121 004, हरियाणा, भारत
दूरभाष :0129-266 6600 ई–मेल :nccbm@ncbindia.com

<u>हैदराबाद इकाई</u>

एनसीबी भवन, ओल्ड बॉम्बे मार्ग, गाछीबावली
हैदराबाद–500 008, (तेलंगाना)

दूरभाष : +91-40-23180400, 23180426
फ़ैक्स : +91-40-23000343, 23006739
ई–मेल : hyd2_ncbhyd@bsnl.in

<u>अहमदाबाद इकाई</u>

समीत बंगलोस, प्लानेट हाउस के पीछे (पीएच–2)
शुकन शुभ–लाभ अपार्टमेंट के सामने, जज
बंगलोस मार्ग
बोडकदेव, अहमदाबाद–380 054, (गुजरात)

दूरभाष : +91-79-26855840
फ़ैक्स : +91-79-40305841
ई–मेल : brcncb@rediffmail.com

<u>एनसीबी भुवनेश्वर - परियोजना कार्यालय</u>

प्लॉट न. 145, ज़ोन–बी, शेड न. 4
आईडीसीओ सेंट्रल स्टोर
मानेस्वर औद्योगिक एस्टेट
भुवनेश्वर -751 010, (ओडिशा)

दूरभाष : +91-9010325172
ई–मेल : ncbodisha@gmail.com

अगर देश को विकास के पथ पर लाना है।
तो पर्यावरण को बचाना है।

- हमारा संकल्प -
सन् 2070 तक नेट 0% कार्बन उत्सर्जन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राष्ट्रीय सीमेंट एंव भवन सामग्री परिषद्

(भारत के वणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन)
34 कि. मी. स्टोन , दिल्ली - मथुरा रोड (एनएच -2), बल्लबगढ़-121 004, हरियाणा